practising Siddha, they are not able to set up a separate college because they are unable to have the minimum infrastructural facilities. They are very poor people living in the villages, pursuing their practices there. Therefore, I would request the hon. Minister to see that more funds are allocated to Siddha. Secondly, as far as the National Institute on Siddha at Tambaram is concerned, I hope he will see to it that it is set up soon. I am sure, under the aegis of Mr. Raja, it will definitely be set up. He will take care of it, not because he belongs to that State. He does not belong to that State alone, but to the whole of India. Therefore, I hope, he would see to it that this institute is set up soon.

With these words, I support the Bill.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL) 2002-2003

वित्त और कंपनी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अनन्त गंगाराम गीते) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अनुपूरक अनुदान मांगें (सामान्य) 2002-2003 के प्रथम बैंच को दर्शाने वाला एक विवरण (अंग्रेजी तथा हिंदी में) सभा पटल पर रखता हूं ।

THE INDIAN MEDICINE CENTRAL COUNCIL (AMENDMENT) BILL, 2002 - *Contd.*

श्रीमती सरोज दुबे (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक, 2002 का समर्थन करने के लिए खड़ी हुई हूं । हालांकि यह छोटा सा संशोधन है, लेकिन बहुत ही सामयिक और महत्वपूर्ण है । महोदय, भारत की प्राचीनतम आयुर्वेदिक, यूनानी और सिद्धा चिकित्सा पद्धतियों ने न केवल भारत में वरन् पूरे विश्व में अपनी लोकप्रियता को शिखर पर पहुंचा दिया है और पश्चिमी देशों में आयुर्वेदिक दवाओं के इस्तेमाल की होड़ सी लग गयी है । महोदय, यू0एस0 में महेश योगी ऑर्गनाइजेशन वैदिक मेडिसिंस पर काम कर रहा है और केरल के श्री गोपी बोरियर ने ब्रिटेन में प्रथम आयुर्वेदिक चैरिटेबल हॉस्पीटल सन 2000 में खोला था और आज उन की फेमिली केरल में भी इसी तरह का एक हॉस्पीटल चला रही है । स्विटजरलेंड में इस पद्धति के 40 सेंटर्स चल रहे हैं । इस तरह पूरे विश्व में हमारे देश की प्राचीन चिकित्सा पद्धति लोकप्रिय होती चली जा रही है । इस का मुख्य कारण यह है कि वेस्टर्न सिस्टम में एलोपैथिक दवाओं के खतरनाक रिएक्शन और घातक प्रभाव से त्राण पाने के लिए आज इंसान आयुर्वेदिक दवाओं से अपने को सुरक्षित महसूस कर रहा है । दूसरी बात यह है कि एलोपैथिक दवाओं की आसमान छूती कीमतें गरीब आदमी की पहुंच से बाहर होती चली जा रही हैं और अब तो कीमतें इतनी बढ़ गयी हैं कि वे मध्यम वर्ग के हाथों से भी बाहर होती चली जा रही हैं और बहुत सी बीमारियां जैसे एक्जिमा, आर्थ्राइटिस, अल्सर, साइनोसाइटिस, माइग्रेन जैसी बीमारियां आयुर्वेदिक इलाज से ही सही ढंग से जड़ से खत्म हो पाती हैं । महोदय, आयुर्वेदिक पद्धति के अंतर्गत केवल हर्बल या भेषज संपदा नहीं है, इस में स्टीम बाथ है, मसाज है और योग है । इन तमाम बातों को मिलाकर ही आयुर्वेदिक पद्धति सम्पूर्ण है । इस तरह यह बहुत लोगों के फायदे की चीज है ।